Glimpses of Activities by RRC on FMD, LUVAS, Hisar

Worthy Vice Chancellor Prof. Dr. Vinod Kumar Verma and Officers of LUVAS appreciating the efforts of award winners during IAVMI Conference 2023 held at Palampur, H.P.

'Country wide Capacity building/training programme on probang/oropharyngeal fluid (OPF) collection, dispatch, and follow-up of FMD NSP reactors' organized in collaboration with ICAR-NIFMD, Bhubaneswar from 25-27 July, 2023 for 22 field vets from six states and UTs

'Training cum demonstration on Probang sampling' for field veterinarians & LUVAS faculty on Nov. 30, 2021 at village Dhansu, Hisar in Joint collaboration of RRC, LUVAS, Hisar with ICAR-DFMD, Mukteswar

Outbreak Investigation Team, LUVAS attending FMD outbreak at village Samain, Fatehabad (2018)

Best Regional Centre Award (2010-11) to RRC on FMD, LUVAS, Hisar by ADG (AH)

Scientists of RRC on FMD being felicitated by the Vice-Chancellor, LUVAS

Proficiency Testing Certificate awarded by hon'ble DDG, ICAR and VC, SVPUAT, Meerut during Annual Review Meeting (Nov. 1., 2022)

Annual Review Meeting of all the FMD centers at SVPUAT, Meerut (Nov. 1-2, 2022)

Best oral presentation award during IAVMI 2022 held at Hisar (May 2022) for presenting the results of FMD+HS combined vaccination trial conducted at organized farm of Haryana

Visit of Scientists from ICAR-International Centre for FMD, Bhubaneswar, Odisha during Sept. 2018

Annual Review Meeting of all the FMD centers at ICAR-International Centre on FMD, Arugul, Bhubaneswar, Odisha (Sept. 2018)

A one week "Hands-on Training on Solid Phase Competitive ELISA" at ICAR-DFMD, IVRI Campus, Bengaluru (Sept. 2019)

Visit of dignitaries during Kisan Mela to the stall depicting the activities undertaken by RRC, Hisar

Sample collection from village Intal Kalan, Jind adopted by RRC, Hisar for sero-monitoring under FMD-CP

Lecture delivered to participants of Vocational Training on Dairy Farming organized by LUVAS (14-20 Oct., 2022)

Dr. Habtamu from Ethiopia after completing training at RRC, Hisar with the Director of Research, LUVAS, Scientists & Staff

Using social media to create awareness among masses regarding FMD+HS combined vaccination drive in Haryana

Training programmes on "Skill development in animal health for scheduled caste livestock farmers" in four villages of Haryana under ICAR funded SCSP scheme (March 2022)

Press and Media Coverage

'मुंह-खुर' की रोकथाम को पशुओं की कंठनली से द्रव्य के नमूनों की विषाणु जांच जरूरीः वर्मा

जागरण संवाददाता, हिसार : लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुंह-खुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय खुरपका मुंहपका रोग संस्थान भुवनेश्वर उड़ीसा के द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। प्रशिक्षण का शीर्षक मुंह एवं खुर रोग विषाणु वाहक पशुओं के कंठनली द्रव (ओपीएफ) संग्रह, प्रेषण और अनुवर्ती पर देशव्यापी क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. (डा.) विनोद कुमार वर्मा ने किया।

डा. वर्मा ने बताया कि विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन के निर्देश अनुसार मुंह एवं खुर रोग की रोकथाम के लिए पशुधन की कंठनली से द्रव्य के नमूनों की विषाणु जांच अति आवश्यक है। प्रशिक्षण में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागी, अपने राज्य में मास्टर ट्रेनर के रूप में मुंह-खुर की रोकथाम में अहम भूमिका निभाएंगे। पशुचिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता मुंह गुलशन नारंग ने बताया कि इस प्रशिक्षण में उत्तर भारत के जम्मू, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और दिल्ली से 18 पशु चिकित्सक आए हैं। पाठ्यक्रम के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डा. राजेश ने बताया कि पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुंह-खुर रोग अनुसंधान केंद्र के द्वारा करवाया गया यह दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम है।

लुवास मे प्रशिक्षण शिविर मे बोलते हुए कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा। • विज्ञप्ति।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

अनुसंधान निदेशक डा. नरेश जिंदल, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन डा. मनोज कुमार रोज, कुलसचिव एवं निदेशक मानव संसाधन प्रबंधन डा. एसएस ढाका, निदेशक छात्र कल्याण एवं संपदा अधिकारी डा. डीएस दलाल, निदेशक पेरा वेटरनरी संस्थान डा. एसपी दहिया, वैज्ञानिक डा. अखिल कुमार गुप्ता, डा. नरेश कुमार कक्कड़, डा. सुरेंद कादियान, डा. प्रवीन कुमार, डा. महावीर सिंह, डा. संजीवना, डा. अनीता दलाल आदि उपस्थित रहे।

लुवास में तीन दिवसीय मुँह-खुर रोग की जाँच हेतु कंठनली से सैंपल लेने के प्रशिक्षण का समापन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 जुलाई : लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुँह-खुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय खुरपका मुंहपका रोग संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा के द्वारा चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यकम का आज समापन हो गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन कुलपति डॉ विनोद कुमार वर्मा के दिशानिर्देशन में किया गया। इस प्रशिक्षण के समापन समरोह के मुख्य अतिथि, कुलसचिव एवं निदेशक मानव संसाधन प्रबंधन, डॉ. एस. एस. ढाका ने बताया कि हरियाणा देश के उन तीन राज्यों में से हैं जहां मुँह एवं खुर रोग को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है। उन्होंने इसके लिए पशुचिकित्सा सूक्ष्मजीवी विभाग, लुवास की सराहना की। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में पशुधन की कंठनली से द्रव्य के नमूनों की विषाणु जाँच नियमित रूप से की जाएगी। मुख्य अतिथि डॉ.ढाका ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय खुरपका मुंहपका रोग संस्थान से आये वैज्ञानिको डॉ राजीव रंजन और डॉ आदित्य साहू का धन्यवाद किया। अंत में डॉ. ढाका ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। डॉ. राजेश छाबड़ा, विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीवी विभाग ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर भारत के 6 राज्यों से 22 पशुचिकित्सको तथा वैज्ञानिको ने भाग लिया तथा कंठनली से द्रव्य निकालना सीखा है। कोर्स समन्वयक डॉ. स्वाति दहिया और डॉ. अंशुल लाठर ने बताया कि आने वाले समय में यह पशु चिकित्सक 'मुख्य प्रशिक्षक' बनकर अपने-अपने राज्यों में अन्य पशु चिकित्स्कों को इस विधि की जानकारी देंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार के सौजन्य से किया किया गया। इस समारोह में पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

लुवास में मुंह-खुर रोग की जांच हेतु कंठनली से सैंपल लेने के प्रशिक्षण का समापन

6 राज्यों से 22 पशुचिकित्सकों तथा वैज्ञानिकों ने लिया भाग

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुँह-खुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय खुरपका मुंहपका रोग संस्थान, भुवनेश?वर, उ?ीसा के द्वारा चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हो गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन कुलपति डॉ विनोद कुमार वर्मा के दिशानिर्देशन में किया गया। इस प्रशिक्षण के समापन समरोह के मुख्य अतिथि, कुलसचिव एवं निदेशक मानव संसाधन प्रबंधन, डॉ. एस. एस. ढाका ने बताया कि हरियाणा देश के उन तीन राज्यों में से है जहां मुंह एवं खुर रोग को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है। उन्होंने इसके लिए पशुचिकित्सा सूक्ष्मजीवी विभाग, लुवास की सराहना की। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में पशुधन की कंठनली से द्रव्य के नमूनों की विषाणु जाँच नियमित रूप से की जाएगी। डॉ. ढाका ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय खुरपका मुंहपका रोग संस्थान से आये वैज्ञानिको डॉ राजीव रंजन और डॉ आदित्य साहू का धन्यवाद किया। अंत में डॉ. ढाका ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। डॉ. राजेश छाबड़ा, विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीवी विभाग ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर भारत के 6 राज्यों से 22 पशुचिकित्सकों तथा वैज्ञानिकों ने भाग लिया तथा कंठनली से द्रव्य निकालना सीखा है। कोर्स समन्वयक डॉ. स्वाति दहिया और डॉ. अंशुल लाठर ने बताया कि आने वाले समय में यह पशु चिकित्सक मुख्य प्रशिक्षक बनकर अपने-अपने राज्यों में अन्य पशु चिकित्स्कों को इस विधि की जानकारी देंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार के सौजन्य से किया किया गया। इस समारोह में पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

लुवास में प्रशिक्षण समापन पर प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए

हिसार | लुवास के पशुचिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुंहखुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा चल रहे शिविर का बुधवार को समापन हो गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. नरेश कक्कड़ ने बताया कि ग्रामीण आंचल में पशुपालन के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए वीसी लुवास, डॉ. विनोद वर्मा के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य युवा पशुपालक उद्यमियों के कौशल में सुधार लाना है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मबीर दहिया ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में पहुंचे। आज के युग में संक्रामक बीमारियों के प्रसार और उनसे बचाव के तरीके साझा किए।

अनुसूचित जाति के किसानों के लिए पशुस्वास्थ्य में कौशल विकास पर निःशुल्क प्रशिक्षण का समापन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुंहखुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों के लिए पशुस्वास्थ्य में कौशल विकास पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके दूसरे चरण में गांव अग्रोहा जिला हिसार के 40 अनुसूचित जाति के प्रगतिशील किसान, महिला उद्यमी, ग्रामीण युवा को प्रशिक्षण दिया गया।

विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. नरेश कक्कड़ ने बताया कि कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य युवा पशुपालक उद्यमियों के कौशल में सुधार लाना है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मबीर दहिया ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत करते हुए टीम की निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की और ग्रामीण युवक युवतियां एवं किसानों को प्रोत्साहित करते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए। अग्रोहा और आसपास के पशुपालकों के लिए अयोजित ट्रेनिंग में पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. राजेश और डॉ. प्रवीन कुमार ने आज के युग में संक्रामक बीमारियों के प्रसार और उनसे बचाव के तरीके साझा किए। उन्होंने पशुओं में होने वाले संक्रामक रोगों जैसे मुंह-खुर रोग के निदान और उपचार का महत्व समझाया। अन्वेषक डॉ. स्वाति दहिया ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को थनैला, मुंह-खुर रोग, गलघोटू, ब्रूसेल्ला, सुकर ज्वर, चेचक, सर्रा तथा अन्य संक्रामक रोगों के नियंत्रण, रोकथाम और टीकाकरण के महत्व को समझाया।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जागरूकता शिविर लगा

बनावाली पशु चिकित्सालय में ग्रामीणों को मुंह खुर रोग की जानकारी देते डा. अंशुल लाठर व अन्य।

भट्टूकलां, 15 सितम्बर (का.प्र.) : राजकीय पशु चिकित्सालय बनावाली में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डा. अंशुल लाठर व राजकीय पशु चिकित्सालय बनावाली के इंचार्ज डा. मदन लेगा ने पशुपालकों को मुंह खुर रोग को खत्म करने के लिए जागरूक किया।

डा. अंशुल लाठर ने बताया कि मुंह खुर एक विषाणु जनक खतरनाक बीमारी है। जिसमें पशुओं के मुंह में छाले हो जाते है, तेज बुखार आता है, मुंह से लार गिरती है, पशु के दूध में गिरावट आती है। इससे पशुपालकों को बहुत अधिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि अगर एक बार यह बीमारी पशुओं में आ गई तो उसका दोबारा कभी भी दूध में बढ़ौतरी नहीं हो सकती। उन्होंने पशुपालकों को इस बीमारी के टीकाकरण हेतु जागरूक किया।

इस मौके पर गौशाला के प्रधान मेवा सिंह, ओमप्रकाश, रणबीर, जयवीर, सुनील, सुभाष, महावीर सहित अन्य अनेक लोग मौजूद थे।

लुवास द्वारा पशु स्वास्थ्य में कौशल विकास पर निःशुल्क प्रशिक्षण का आयोजन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुंह-खुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- खुरपका मुँहपका रोग निदेशालय, मुक्तेश्वर, उत्तराखंड के सौजन्य से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए पशु स्वास्थ्य में कौशल विकास पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके पहले चरण में ग्राम गंगवा और किरमारा, जिला हिसार तथा गांव रामराय, जींद में 21-25 मार्च 2022 तक अनुसूचित जाति के 120 प्रगतिशील किसान/महिला उद्यमी/ ग्रामीण युवा प्रशिक्षण ले रहे हैं। विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. नरेश कक्कड़ ने बताया कि ग्रामीण आँचल में पशुपालन के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए माननीय कुलपति, लुवास, डॉ विनोद वर्मा के निर्देशन में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। गंगवा और आस पास के पशुपालकों के लिए आयोजित ट्रेनिंग में पाठ्यक्रम समन्वयक, डॉ स्वाति दहिया और डॉ अनीता दलाल ने आज के युग में संक्रामक बीमारियों के प्रसार और उनसे बचाव के तरीके साझा किये। उन्होंने पशुओं में होने वाले संक्रामक रोगों जैसे मुंह-खुर रोग के निदान और उपचार का महत्व समझाया। ग्राम किरमारा, जिला हिसार के पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. महावीर सिंह और डॉ. संजीवना ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को थनैला, मुँह-खुर रोग, गलघोटू, ब्रूसेल्ला, सुकर ज्वर, चेचक, सर्रा तथा अन्य संक्रामक रोगों का नियंत्रण और रोकथाम की जानकारी प्रदान की जाएगी। ग्राम रामराय, जींद में डॉ. अंशुल लाठर और डॉ. अखिल कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कोर्स का उद्देश्य युवा पशुपालक उद्यमियों के कौशल में सुधार लाना है। भाग ले रहे प्रशिक्षुओं ने गाय, भैंस, बकरी, भेड़, तथा सुअरो के पालन में आ रही व्यवस्थाओं के निवारण के लिए लुवास के विभिन्न विभाग के वैज्ञनिकों से जानकारी ली। अंत में डॉ. प्रवीन कुमार एवं अन्यों ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए पशुओं में टीकाकरण के महत्व को समझाया। उन्होंने सभी किसान भाइयों, बहनों तथा पशु चिकित्सक डॉ राजकुमार अहलावत, डॉ पुनीत, डॉ विकास चौधरी तथा उनके सहायकों का धन्यवाद किया जिन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही वित्तीय योजनाओं के बारे में बताया । डॉ. धर्मबीर दहिया, निदेशक, विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास ने टीम की निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की। इस पाठ्यक्रम को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- खुरपका मुंहपका रोग निदेशालय, मुक्तेश्वर, उत्तराखंड द्वारा वित्त पोषित किया गया है। इस समारोह में लुवास के विभिन्न विभागों के शिक्षक, ग्रामीण युवक, युवतियां एवं पशुपालक भी उपस्थित रहे। प्रथम चरण के कार्यक्रमों का समापन 25 मार्च को किया जाएगा।

25-03-2022: लुवास द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों के लिए पशु स्वास्थ्य में कौशल विकास पर निःशुल्क प्रशिक्षण ...

लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के

pashuchikitsanewsvetnews.blogspot.com

http://pashuchikitsanewsvetnews.blogspot.com/2022/03/25-03-2022.html